भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 152

04 दिसंबर, 2023 को उत्तर के लिए

सेल का आधुनिकीकरण

152. श्री धीरज प्रसाद साहू:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के प्रस्तावित आधुनिकीकरण में उत्पादन को कितने मिलियन टन तक बढ़ाने का लक्ष्य है, उसकी वर्तमान उत्पादन क्षमता, प्रस्तावित क्षमता और लागत का इकाई-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) प्रस्तावित उत्पादन वृद्धि हेतु निधि की व्यवस्था किस तरह की जाएगी, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) प्रस्तावित उत्पादन वृद्धि के अंतर्गत बनाई जाने वाली नई दुकानों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) उत्पादन क्षमता में प्रस्तावित वृद्धि समय पर पूरी हो यह सुनिश्चित करने हेतु किए गए प्रावधान का ब्यौरा क्या?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री (श्री फग्गन सिंह कुलस्ते)

(क) से (ग): वर्तमान में सेल की क्रूड इस्पात प्रचालन क्षमता 19.51 एमटीपीए है। भारत सरकार की

राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2017 के अनुरूप, सेल ने आधुनिकीकरण, विस्तार एवं संवर्धन योजना (एमईएपी) के प्रथम चरण में वर्ष 2030-31 तक क्रूड इस्पात क्षमता को लगभग 35.65 एमटीपीए तक बढ़ाने की परिकल्पना की है।

यद्यपि, यह विस्तार निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन होगा:-

(i) इस क्षेत्र में इस्पात उत्पादन के बढ़े हुए स्तर की खपत के लिए तैयार इस्पात की मांग में वृद्धि।

(ii) संपोषणीय कर्ज: साम्या अनुपात के साथ पूंजीगत व्यय का वित्तपोषण करने के लिए संसाधनों की उपलब्धता।

(iii) बढ़ी हुई क्षमता को सहायता प्रदान करने के लिए कैप्टिव लौह अयस्क स्रोत।

प्रस्तावित एमएईपी के उपरांत सेल की संयंत्र-वार परिकल्पित क्रूड इस्पात क्षमता निम्नानुसार है:

इस्पात संयंत्र	क्रूड इस्पात की प्रचालन क्षमता (एमटीपीए)	परिकल्पित क्रूड इस्पात* क्षमता (एमटीपीए) (डीपीआर-पूर्व)
भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी)	6.00	6.80
दुर्गापुर इस्पात संयंत्र (डीएसपी)	2.20	6.09
राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी)	3.80	8.34
बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल)	4.60	7.03
इस्को इस्पात संयंत्र (आईएसपी)	2.50	6.98
अलॉय इस्पात संयंत्र	0.23	0.23
सेलम इस्पात संयंत्र	0.18	0.18
सेल	19.51	35.65*

* निर्माण की जाने वाली नई इकाईयों/शॉप्स के विवरण वाली डीपीआर को अंतिम रूप दिए जाने की शर्त के अधीन अनंतिम

प्रस्तावित उत्पादन वृद्धि का वित्तपोषण आंतरिक उपार्जन तथा बाजार के ऋण दोनों के मिश्रण से किया जाएगा। इस संभावित निवेश का अनुमानित व्यय लगभग एक लाख दस हजार करोड़ रुपए है।

(घ): प्रस्तावित उत्पादन क्षमता वृद्धि का समय पर पूर्ण होना सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सेल द्वारा विभिन्न प्रावधान किए जा रहे हैं। इनमें चरणबद्ध तरीके से विस्तार की योजना बनाना शामिल है चूंकि विविध उच्च मूल्य वाली परियोजनाओं के एक साथ/समानांतर कार्यान्वयन से संसाधनों में कमी आई है और परिणामस्वरूप विलंब हुआ है जिसने त्वरित निर्णय, एकीकृत परियोजना प्रबंधन प्रणाली के कार्यान्वयन के लिए आवश्यकता के अनुसार एमईएपी से संबंधित क्रियाकलापों की प्रगति की निगरानी, परियोजना मैनुअल की समीक्षा तथा अद्यतनीकरण और शक्तियों के हस्तांतरण की आवश्यकता पर बल दिया है।

******